विषय-सूची

		प्रश्नोत्तर
	लेखक की भूमिका	१ से ४०
१.	समयसार प्रथम कलश का रहस्य से	१—४७
२.	जैसी मति वैसी गति, जैसी गति वैसी मति	१—५३
३	प्रतिक्रमण, आलोचना और प्रत्याख्यान का स्वरूप	१—४२
४	भगवान् आत्मा की छह बोलों से सिद्धि	१—५४
५.	समयसार गा० १४ व कलश १० का रहस्य	१—३५
६.	ज्ञान और ज्ञेय की भिन्नता	१—२६
७.	निश्चय स्तुति	१—२६
८.	मुनि का स्वरूप	१—३७
९	भगवान की पूजा का रहस्य	१—९८
१०	समयसार गा० १६०, २११ का रहस्य क्या है	१—१२
११	प्रवचनसार ९३वी गाथा का, श्री समयसार ५०वा कलश का रहस्य	१—३९
१२.	सम्यग्दर्शनादि की प्राप्ती का उपाय	१—१३
१३.	निश्चय-व्यवहार समझने की कुंजी	१—५१
१४	धर्म की प्राप्ति के लिए जीव की पात्रता कब और कैसे	१—३
१५	वीतराग-विज्ञानता के मिले जुले प्रश्नोत्तर	१—२१९